

7/9/84

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्रतिष्ठान से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 439] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 11, 1984/चाद्र 20, 1906
No. 439] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 1984/BHADRA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नयी दिल्ली, 1 सितम्बर, 1984

का. आ. 690(अ) :—निम्नलिखित स्पष्टीकारक आपन, जिसका प्रकाशन भारत
के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (2), तारीख 20 मार्च, 1984 में
प्रकाशित, रेल दुर्घटना (प्रतिकर) (संशोधन) नियम, 1984 से संबंधित भारत सरकार
के रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की अधिसूचना का. आ. सं. 171(अ), तारीख 12 मार्च,
1984 में अधोक्षित था, किन्तु जो उसमें प्रकाशित होने से छूट गया था, सर्व-
साधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, अर्थात् :—

स्पष्टीकारक आपन

“रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1950 में, भारतीय रेल (संशोधन) अधिनियम,
1983 (1983 का सं. 44) द्वारा रेल दुर्घटना से प्रसूत व्यक्तियों को संवेद्य प्रतिकर की

अधिकतम रकम को, तारीख 4 मार्च, 1983 से भूतलक्षी प्रभाव देकर, 50,000 से बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दिए जाने के परिणामस्वरूप, संशोधन आवश्यक हो है।

यद्यपि नियमों को तारीख 4 मार्च, 1983 से भूतलक्षी रूप से प्रवर्तित किया गया है, तथापि नियमों के ऐसे भूतलक्षी प्रवर्तन से किसी पर भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।”

[सं. 82/टीजी-2/1026/22/आईआरए]

ए. जोहरी, सचिव, रेलवे बोर्ड

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 1984

S.O. 690(E).—The following Explanatory Memorandum which was required to be published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Railways (Railway Board) S.O. No. 171(E), dated the 12th March, 1984 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 20th March, 1984 relating to the Railway Accidents (Compensation) (Amendment) Rules, 1984, but which was omitted to be published therein, is hereby published for general information, namely :—

“Explanatory Memorandum

“The amendment to the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1950 has become necessary consequent upon the Indian Railway (Amendment) Act, 1983 (No. 44 of 1983), enhancing the maximum amount of compensation payable to rail accident victims from Rs. 50,000 to Rs. 1 lakh with retrospective effect from the 4th March, 1983.

Although the rules are made operative retrospectively with effect from the 4th March, 1983 no one will be adversely affected by such retrospective operation of the Rules.”

[No. 82/TG-II/102/22/IRA]

A. JOHRI, Secy., Railway Board